भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5505

03 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए

ओडिशा में नए शहरों के लिए लंबित प्रस्तावों की समीक्षा

†5505. श्री प्रदीप पुरोहित:

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्र सरकार ने ओडिशा राज्य सरकार से नए शहरों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और जिला-वार यह समीक्षा कब तक पूरी होने की संभावना है;

(ख) क्या केन्द्र सरकार ने इस बात की जांच की है कि ये प्रस्ताव पर्यावरणीय प्रभाव, अवसंरचना और दीर्घकालिक योजना जैसी प्रमुख शर्तों को पूरा करते हैं और यदि हां, तो समीक्षा में विचार किए जा रहे कारकों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केन्द्र सरकार ओडिशा राज्य सरकार और स्थानीय निकायों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि ये नए शहर बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा कर सकें; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उनकी प्रगति की निगरानी के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) से (घ): 15वें वित्त आयोग (15वें एफसी) ने नए शहरों के इनक्यूबेशन के लिए प्रदर्शन आधारित चुनौती निधि के रूप में 8,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस निधि के माध्यम से एक राज्य में केवल एक ही नया शहर हो सकता है।

15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप, मंत्रालय ने नए शहरों के इनक्यूबेशन के लिए बोली मापदंडों को अंतिम रूप देने के लिए एक विशेषज्ञ समिति (ईसी) का गठन किया। समिति ने न्यूनतम पात्रता शर्तों और बोली मापदंडों को अंतिम रूप दिया, और सभी राज्यों को अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) भेजा गया। बोली मापदंडों में कनेक्टिविटी की योजना (शहर के बाहर और शहर के भीतर), पर्यावरणीय स्थिरता सहित शहर की योजना, बुनियादी नगरपालिका सेवाओं की उपलब्धता, 5-10 वर्षों में आवासीय कब्जा लेना, नौकरियों का सृजन, सामाजिक बुनियादी ढांचे की उपलब्धता आदि शामिल थे।

मंत्रालय में अंतिम तारीख तक ओडिशा राज्य के एक प्रस्ताव सहित 21 राज्यों के 26 प्रस्ताव प्राप्त हुए। पूर्वोत्तर राज्यों से गुणवत्तापूर्ण प्रस्ताव प्राप्त न होने के कारण, इन राज्यों से नए/संशोधित प्रस्ताव मांगे गए। परिणामस्वरूप, 23 राज्यों से कुल 28 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

*****